चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29.11.22	3	5-6

किसानों के हित को ध्यान में रख करें शोध का कार्य : डॉ. जीतराम

एचएयू में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग स्थित सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का सोमवार को समापन हो गया। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित

एवं विवेकपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने का आह्वान किया। कहा कि हमें किसानों के हितों को ध्यान में रखकर शोध करने हैं। । उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एस.के. पाहुजा ने सेंटर की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एस.एस. यादव, प्रशिक्षण संयोजक डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29.11.22	3	1-3

कीटनाशकों का स्वास्थ्य पर पड़ रहा दुष्प्रभाव

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एडवांस्ड फेकल्टी ट्रेनिंग की तरफ से चल रहा 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सोमवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कीटनाशकों के दुष्प्रभाव की चर्चा करते हुए इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि कीटनाशकों की आवश्यकता होने पर ही एवं विवेकपूर्ण उपयोग करना जरूरी है। देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृश्य में अत्याधिक कीटनाशकों के प्रयोग से वातावरण दूषित हो रहा है। इसका मानव स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव हो रहा है। अनुसंधान निदेशक ने वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबंधन में उन्नत तकनीकी के विकास व उसके प्रचार प्रसार पर जोर दिया। इस प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

हिसार में एचएयू में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में संबोधित करते जीतराम शर्मा। संवाद

अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने सेंटर की गतिविधियों और ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एसएस यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस दौरान प्रशिक्षण संयोजक डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29.11.22	7	1-2

हकृवि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

हिसार, 28 नवम्बर (विरेंद्र वर्मा) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान मे 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृष्य में अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकी का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डा. कृष्णा रोलानिया, डा. सोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	29.11.22	----	----

हकृवि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान मे 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदुषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे।

उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृष्य में

अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकी का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डा. कृष्णा रोलानिया, डा. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	29.11.22	----	----

हकृवि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित

सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान मे 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदुषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृष्य में अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड? वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकी का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	28.11.22	----	----

हकृवि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डॉ. कृष्णा रोलानिया, डॉ. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.11.22	----	----

हकृवि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्य में पेस्टीसाइडस की विषाकता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदुषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृष्य में अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकी का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डा. कृष्णा रोलानिया, डा. सोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे ।